med well. Further improvements have been initiated such as real time computation at field stations using Personal Computer (PC) type equipment.

(d) One radiosonde observation costs about Rs. 1500. As two observations each are taken at 35 stations (morning and evening), the total cost of getting these data comes to about Rs. 4 crore per year.

Review of policy regarding settingup of nuclear power plants in thecountry

2124. SHRI SHAMIM HASHMI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to review its policy regarding the setting up of nuclear power plants in the country in light of the Chernobyl disaster in USSR, as appeared in the Times International of 9th April 1990; and

(b) if so, whether Government propose to set up a high powered monitoring Committee, having representations from non-Government organisations to review the establishment of nuclear power establishments ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (PROF. M. G. K. MENON): (a) India is not building Chernobyl type of reactors. The safety features of the Pressurised Heavy Water Reactors being built in India are quite different from those of the Chernobyl graphite moderated system. Indian reactors are among the safest in the world in terms of their design characteristics.

(b) The safety clearance for ower reactors is the responsibility P of the Atomic Energy Regulatory Board which has non-governmental members on the Board. This Board is fully competent and continues to monitor the operation of nuclear power stations in the country.

गंगा नदी का निरंतर प्रदूषण

2125. श्रीमती मनोरमा पाण्डेय : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गंगा जल प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण के बनने के पांच वर्ष बीतने पर भी गंगा नदी में पहले की भांति नगर पालिकाओं, कारखानों तथा मिलों से गंदा पानी तथा कूड़ा इत्यादि नियमित रूप से प्रवाहित होते रहने के कारण नदी के जल में प्रदूषण की कमी नहीं आई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस प्रदूषण के शीघ्र नियंत्रण हेतु नगरपालिकाओं, कारखानों और मिलों को तत्काल कड़ा निर्देश जारी करने का विचार रखती है जिससे किसी भी प्रकार का गन्दा पानी, कूड़ा कचरा आदि नदियों में न बहायें ; और

(ग) गंगा नदी के जल के कब तक पूर्णरूपेण प्रदूषण रहित हो जाने की संभावना है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) गंगा के जल को पूरी तरह से तब तक प्रदूषण-मुक्त नहीं किया जा सकता जब तक कि, इस नदी और इसकी सहायक नदियों के किनारों की बस्तियों से निकलने वाला निःस्राव (आउट फ्लो) और बहिःस्राव, कृषि में प्रयोग किये जाने वाले सभी पीड़कनाशी और कीटनाशी, जो इस नदी